



**CLASS: III**

**SESSION NO : 5**

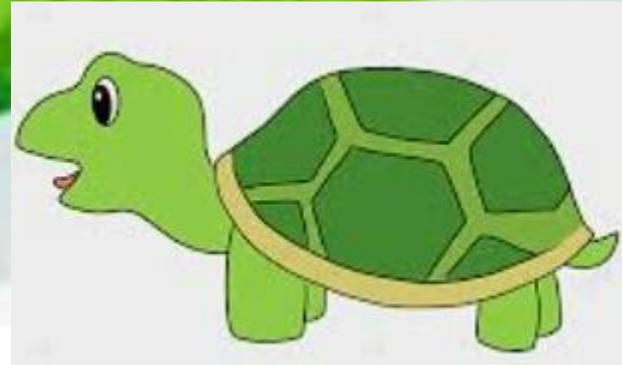
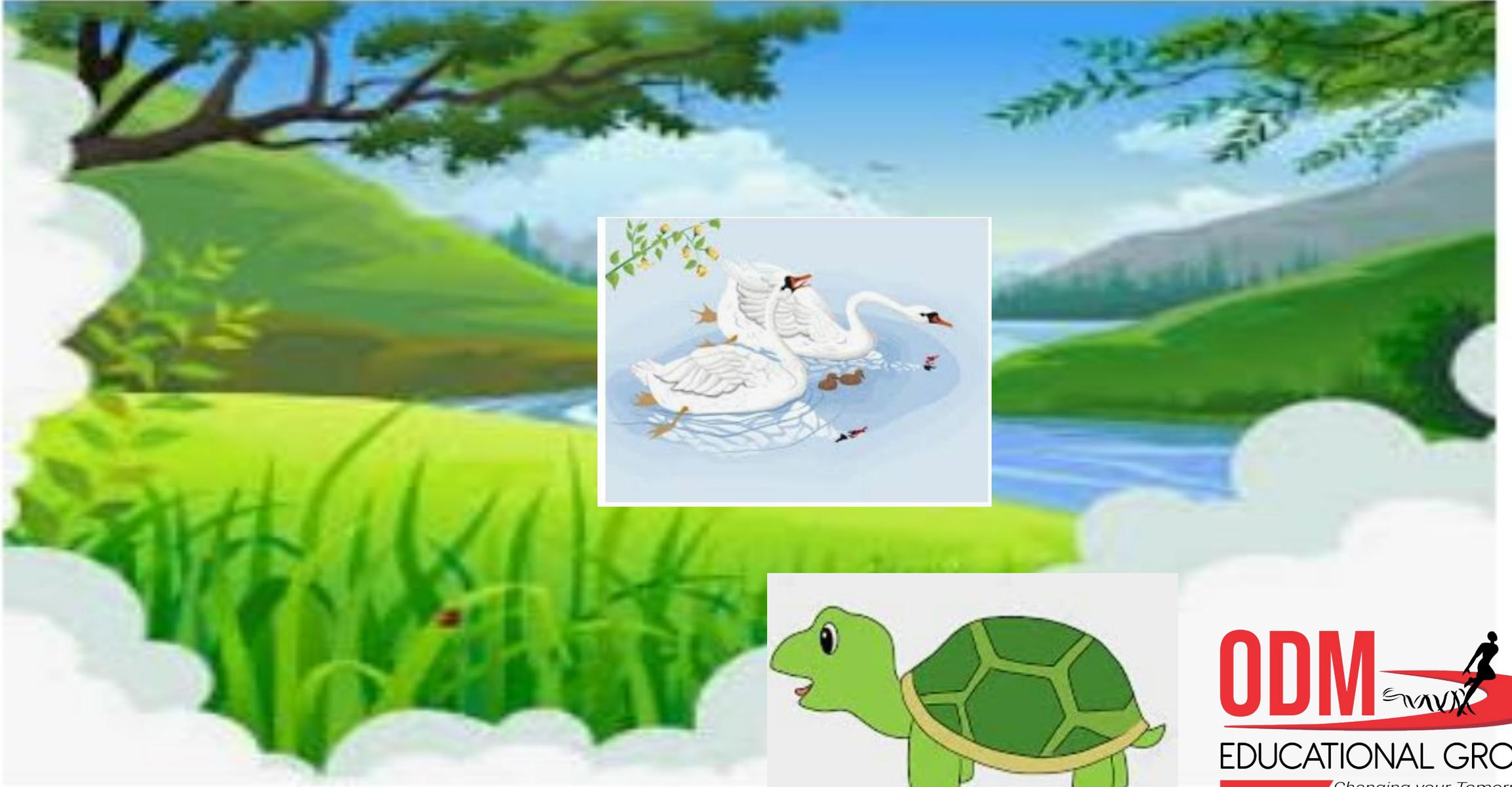
**SUBJECT : (HINDI)**

**CHAPTER NAME : हंस और कछुआ**

**SUB – TOPIC- कहानी विश्लेषण तथा नए शब्द**

**CHANGING YOUR TOMORROW**

# पाठ -३ हंस और कछुआ



# सीखने का उद्देश्य



सही क्रम के अनुरूप  
पठन शैली का ज्ञान  
होना।

3

## हंस और कछुआ

### चिंतन-मनन

मुसीबत में मौन रहना ही श्रेष्ठ है।

मगध देश में फुल्लोत्तमल नामक  तालाब में संकट और विकट नाम के दो  हंस रहते थे। उसका एक  कछुआ त्र भी वहाँ रहता था। उस तालाब में बहुत सारी  मछलियाँ भी रहती थीं।

एक बार कुछ  मछुआरे वहाँ से गुज़र रहे थे। उनकी निगाह  तालाब में तैर रही  मछलियों पर पड़ी।  मछुआरों ने आपस में विचार करके

तय किया कि वे अगले दिन आकर



तालाब

की



मछलियों

और

कछुए



को पकड़ेंगे।

संकट और विकट ने

मछुआरों



को आपस में बात करते सुन लिया

था, इसलिए उन्होंने यह बात

मछलियों



और



कछुए

को बता दी।

कछुआ



यह सुनकर घबरा गया। वह अपने बचाव का उपाय सोचने

लगा। उसे लगा कि उसे यह



तालाब

शीघ्र ही छोड़ देना चाहिए।

उसने



हंसों

से निवेदन किया कि वे उसे वहाँ से ले जाएँ, लेकिन



हंस



कछुए

को वहाँ से कहीं और कैसे ले जाते?



कछुए

को तो उड़ना ही नहीं आता था। बहुत सोच-विचारकर उन्होंने एक योजना

बनाई।  **हंसों** ने  **कछुआ** से कहा कि वे एक  **लकड़ी** लेकर

उसके दोनों **सिरों** को अपनी-अपनी  **चोंच** में दबा लेंगे और कछुआ

उस लकड़ी को अपने  **मुँह** से बीच में से पकड़ लेगा।  **कछुए**

ने  **हंसों** की योजना मान ली।  **हंसों** ने उसे बोलने से मना कर

दिया था। वे तीनों उड़ चले। जब वे एक  **गाँव** के ऊपर से उड़ रहे

थे, तो नीचे कुछ बच्चे  **पतंग** उड़ा रहे थे। सभी  **बच्चे** ऊपर

का दृश्य देखकर चकित रह गए। गाँव में खूब शोर मच गया।  **बच्चे**

उनके पीछे-पीछे भागने लगे और आपस में बात करने लगे।

एक  **बच्चा** बोला—“देखो! कैसा **अद्भुत** दृश्य है।”

दूसरा



बच्चा

बोला—“अगर यह



कछुआ

गिर पड़े, तो मैं इसे अपने

घर में ले जाकर पालूँगा।”

तीसरा



बच्चा

बोला—“नहीं, मैं तो इसे पकड़ लूँगा और कहीं जाने

नहीं दूँगा।”

कछुआ



सबकी बात सुनकर बेचैन हो रहा था। उसे



बच्चा

की

बातें सुनकर गुस्सा भी आ रहा था। उससे बोले बिना रहा नहीं गया। वह

अपना संयम खो बैठा और गुस्से में आकर बोला—“तुम क्या खाक पकड़ोगे

मुझे!” इतना कहना था कि वह ज़मीन पर गिर पड़ा और मर गया।

## हंस और कछुआ कहानीका विश्लेषण सहज तथा सरल भाषा में

बहुत समय पहले की बात है मगध देश में फुलोत्मल नामक तालाब में संकट और विकट नाम के दो हंस रहते थे। उन दोनों का एक कछुआ मित्र भी वहाँ रहता था। उस तालाब में बहुत सारी दूसरी रंगीन मछलियाँ भी वहाँ रहती थी। एक दिन कुछ मछुआरे वहाँ से गुजर रहे थे उनकी नजर उन रंगीन मछलियों पर पड़ी, उन रंगीन मछलियों को देखकर मछुआरों के मन में लालच जाग उठा और उन्होंने यह तय किया कि अगले दिन सुबह आकर उन मछलियों को तथा कछुए को पकड़ कर ले जाएँगे। जब मछुआरे आपस में यह सारी बातें कर रहे थे तब संकट और विकट उसी समय तालाब में तैर रहे थे और उन्होंने उनकी सारी बातों को सुन लिया और जाकर रंगीन मछलियों को तथा कछुए को बता दिया।

## हंस और कछुआ कहानी का विश्लेषण सहज तथा सरल भाषा में

अपने मित्रों की बात सुनकर कछुआ बिचारा घबरा गया उसने सोचा मुझे जल्दी यह जगह छोड़ देनी चाहिए, और बिचारा बड़ी दुखी मन से अपने मित्रों के पास गया और उनसे प्रार्थना करने लगा है मित्रों इस मुसीबत के समय में तुम्हें ही मेरी मदद करनी होगी मुझे यहाँ से कहीं दूर ले चलो, इतने भारी कछुए को दोनों हंस कैसे ले जा सकते थे, बहुत सोचने के बाद उन्होंने एक तरकीब निकाली। एक डंडे के दोनों सिरों को दो हंस अपने मुँह में दबाएँगे तथा कछुआ अपने मुँह से डंडे के बीच के भाग को जोर से अपनी मुँह की मदद से पकड़ेगा और दोनों हंस कछुए को उड़ा कर ले जाएँगे योजना के मुताबिक ऐसा ही हुआ दोनों हंस कछुए को लेकर आसमान में उड़ने लगे।

## हंस और कछुआ कहानी का विश्लेषण सहज तथा सरल भाषा में

कुछ देर उड़ने के बाद एक गाँव दिखा जाहाँ पर कुछ बच्चे खेल रहे थे उन्होंने जब हंस तथा कछुए को उड़ते हुए देखा उन्होंने इसका मजा लेने के लिए जोर जोर से चिल्लाते हुए आपस में बातें करने लगे। एक बच्चा बोला अरे देखो कैसा अनोखा दृश्य है, दूसरा बच्चा कहता है काश यह कछुआ गिर पड़े तो मैं इसे ले जाकर अपने घर में पालूँगा , तीसरा कछुआ कहता है अगर मुझे मिल जाए तो मैं इसे पकड़ लूँगा और उसे कहीं नहीं जाने दूँगा, बच्चों की बात सुनकर कछुआ को गुस्सा आ गया और उसने अपना मुँह खोल कर कहा मुझे पकड़ोगे बस जैसे ही कछुए ने अपना मुँह खोला वह जमीन पर गिर गया और मर गया। कछुए को मुँह न खोलने के लिए हंसों ने मना किया था फिर भी उसने अपना मुँह खोला और मर गया।

## गृह कार्य

पठन कराए गए पाठ का सही उच्चारण के साथ पठन अभ्यास करें

## अध्ययन के परिणाम

कहानी पठन के बाद बच्चों में नैतिक मूल्यों का विकास हो पाएगा।

**THANKING YOU**  
**ODM EDUCATIONAL GROUP**